गड़ा खजाना

एक किसान के तीन आलसी बेटे थे । एक दिन वह उन्हें अपने खेत पर ले गया और कहा, "यहाँ धन गड़ा है । यदि वह धन तुम्हें मिल जाये तो तुम उसे आपस में बाँट लेना।"

तीनों बेटे बहुत प्रसन्न हो गये । उन्होंने मन–ही–मन कहा, "अब हम बिना कोई मेहनत किये ही धनी बन जायेंगे ।"

डस धन को पाने के लिए उन्होंने पूरा खेत खोद डाला, परन्तु उन्हें कहीं भी खजाना नहीं मिला ।

उन्होंने अपने पिता से कहा, "हमें कोई भी खजाना नहीं मिला । परन्तु जब हमने खेत को खोद ही डाला है तो क्यों न हम इसकी बोआई करें ?

बाप–बेटों ने मिलकर खूब लगन से खेत की बोआई की । जब फसल उग आयी और पिता उन्हें अपने साथ खेत पर ले गया तो एक बार फिर उन्होंने अपने पिता से कहा, "हमें तो यहाँ कोई भी खजाना दिखाई नहीं दे रहा है ।"

परन्तु जब फसल पक गयी और सुनहरी बालियाँ हवा में लहलहाने लगी तो पिता अपने बेटों को उसे दिखाने फिर खेत पर ले गया ।

खेत की ओर इशारा करते हुए पिता ने कहा, "वाह, क्या खूब फसल हुई है ! यही है वह खजाना जिसे तुम लोगों ने अपनी कड़ी मेहनत से प्राप्त किया है । मुझे तुम लोगों पर गर्व है ।"

मेहनत का फल हमेशा मीठा होता है ।

अभ्यास कार्य

नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर अनुच्छेद की मदद से लिखिए–

प्र.1 किसान के कितने बेटे थे ?

.....

प्र. 2 किसान ने अपने बेटों को खेत पर ले जाकरक्या कहा ?

.....

प्र. 3 बेटों ने खजाना पाने के लिए क्या किया ?

.....

प्र. 4 बेटों ने अपने पिता से क्या कहा ?

.....

प्र. 5 खेत में क्या लहलहाने लगी ?

.....

प्र. 6 खजाना न मिलने पर बेटों ने क्या किया ?

.....

.....

प्र. 7 असली खजाना क्या था ?

.....

प्र.8 इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

.....

रवीन्द्र कुमार वर्मा
पी.आर.टी.
के.वि. अनन्तनाग